श्री:

रोमन शिक्षा

अर्थात्

हिन्दी जाननेवालों के लिये रोमन सिखलाने की एक अति सुलभ और उत्तम पुस्तक

जिसको

पं० साधुसरन पांडे शर्मा सेन्ट्रल हिन्दू कालेज बनारस

ने

रचकर प्रकाशित किया।

(ग्रन्थकारक का अंग्रेज़ी हस्ताक्षर)

....

BENARES:

Printed at the Medical Hall Press.

1904.

भूमिका ।

उर्दू हिन्दी स्कूलों तथा संस्कृत पाठशालाओं के विद्यार्थियों ।
ंज़ी अक्षरों में रोमन लिखने पढ़ने की अति रुचि देखकर ही मुझे
। पुस्तक के रचने का उत्साह हुआ । इस छोटी पुस्तक में रोम
खने की विधि सरल रीतियों में बयान की गई हैं जिससे हिन्दी तथ
ई भाषा के जाननेवाले इस पुस्तक की सहायता से रोमन लिखन
ना स्वयं आसानी से सीख जावेंगे । इस पुस्तक में दो चार पत्र और
नयपत्र भी अंग्रेज़ी रित्यनुसार लिखे गये हैं जो पढ़नेवालों को और
लाभदायक होंगे । और अंत में अंग्रेज़ी गिनती और उनके सीखने कं
तियां भी लिखी गई हैं जो बालकों को लाभकारी होंगी ।

यह पुस्तक बालकों के सिवाय डाकखाने, रेलवे पुलिस तथा
य २ मुहकमों के अंग्रेज़ी न जाननेवाले कर्मचारियों को जिनको
ज़ी अक्षरों में नाम ग्राम लिखने पढ़ने ही से बहुत कुछ काम पड़
ा है अत्यन्त लाभकारी है, मूल्य भी इस पुस्तक का बहुत कम रक्खा
। है जिस से सर्वसाधारण मनुष्य इसको ख़रीदकर लाभ उठा सकें ।
आशा करते हैं कि पाठकगण इस पुस्तक को पढ़कर मेरे उत्साह
बढ़ावेंगे ।

यद्यपि मैं इस पुस्तक के रचने की योग्यता रखता हूं तथापि
सज्जनों से सविनय निवेदन करता हूं कि यदि इस पुस्तक में कहीं
अथवा अशुद्धी होगई हो तो मुझे छात्र समझकर क्षमा करें और
हो सके तो सूचित कर धन्यवाद के भागी बनें कि दूसरे संस्कार में
कर दिया जायगा ।

पुस्तक को अधिक लाभकारी करने के सलाह इत्यादि धन्यवाद
क्रिये जायंगे ।

१९०४

पं० साधुसरन पांडे शर्मा,
सेन्ट्रल हिन्दू कालेज
बनारस ।

अंगरेज़ी अक्षर।

	नाम अक्षर	نام حروف	छापे के अक्षर		लिखने के अक्षर		अक्षरों का उच्चारण रोमन में	رومن تلفظ
			बड़ा	छोटा	बड़ा	छोटा		
1	ए	اے	A	a	*A*	*a*	अ	ا
2	बी	بی	B	b	*B*	*b*	ब	ب
3	सी	سی	C	c	*C*	*c*	क	ک
4	डी	ڈی	D	d	*D*	*d*	ड, द	ڈ.د
5	ई	ای	E	e	*E*	*e*	ए	ے
6	एफ्	ایف	F	f	*F*	*f*	फ़	ف
7	जी	جی	G	g	*G*	*g*	ग	گ
8	एच्	ایچ	H	h	*H*	*h*	ह	ح-ہ
9	आई	آئی	I	i	*I*	*i*	इ	ي
10	जे	جے	J	j	*J*	*j*	ज	ج
11	के	کے	K	k	*K*	*k*	क	ک
12	एल्	ایل	L	l	*L*	*l*	ल	ل
13	एम्	ایم	M	m	*M*	*m*	म	م
14	एन्	این	N	n	*N*	*n*	न	ن
15	ओ	او	O	o	*O*	*o*	ओ	و
16	पी	پی	P	p	*P*	*p*	प	پ
17	क्यू	کیو	Q	q	*Q*	*q*	क़	ق
18	आर्	آر	R	r	*R*	*r*	र	ر
19	एस्	ایس	S	s	*S*	*s*	स	ث-س-ص
20	टी	ٹی	T	t	*T*	*t*	ट, त	ت-ٹ
21	यू	یو	U	u	*U*	*u*	उ	او
22	वी	وی	V	v	*V*	*v*	व	و
23	डब्लू	ڈبلیو	W	w	*W*	*w*	व	و
24	एक्स	ایکس	X	x	*X*	*x*	क्स	کس
25	वाइ	وائی	Y	y	*Y*	*y*	य	ے
26	ज़ेड	زیڈ	Z	z	*Z*	*z*	ज़	ذ-ز-ض-ظ

लिखने के अंगरेज़ी अक्षर आगे लिखे हैं लिखने में इन्हीं का अभ्यास करना चाहिये।

अंगरेज़ी लिखने के बड़े और छोटे अक्षर ये हैं।

ए बी सी डी ई यफ् जी एच् आई जे के एल् एम् एन्

A B C D E F G H I J K L M N

a b c d e f g h i j k l m n

ओ पी क्यू आर् एस् टी यू वी डब्ल्यू एक्स वाइ ज़ेड्

O P Q R S T U V W X Y Z

o p q r s t u v w x y z

अंग्रेज़ी वर्णमाला में २६ अक्षर होते हैं। और २ विद्याओं से विपरी
इस विद्या में छापे के अक्षर और ही और लिखने के अक्षर और ही होते
इस कारण जो मनुष्य केवल छापेही के अक्षर जानते हैं वह लिखनेवा
अक्षर लिख पढ़ नहीं सके इसलिये दोनों प्रकार के अक्षरों को याद कर
बहुत ज़रूरी है इसके अतिरिक्त लिखने या छापे के प्रत्येक अक्षर दो दो प्रका
के होते हैं अर्थात् बड़े और छोटे अक्षर, सो ऊपर के खानों में लिखकर दि
दिया है। अंग्रेज़ी के प्रत्येक अक्षरों का उच्चारण जो रोमन लिखने के लि
हिन्दी अक्षरों में होता है सो प्रत्येक अक्षरों के सामने लिखा है उनको भले
भांति समझ लेना चाहिये।

नीचे लिखे अक्षरों को पढ़ कर बतलाओ कि वे छापे के अक्षर हैं य
लिखने के और छोटे हैं या बड़े और यह भी बतलाओ कि रोमन में उनक
उच्चारण क्या है।

जैसे नागरी अक्षरों में १६ स्वर हैं जो मात्रा कहलाते हैं जिनके मिलावट से बाक़ी अक्षरों का उच्चारण होता है वैसेही अंगरेज़ी में भी ५ स्वर यानी वाविल (vowel) हैं अर्थात् a, e, i, o, और u इन्हीं पांचों स्वरों को एक दूसरे में मिलाकर हिन्दी के सब मात्राओं का रोमन में काम लेते हैं वे नीचे लिखे जाते हैं खूब समझ लेना चाहिये:—

१६ स्वर।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	ऋ	ॠ	ऌ	ॡ
ا	آ-ا	يِ	اي	اُو	أو	اے	اى	أو	اَو	انگ	اہ	رى	ري	لري	لري
a	á	i	ee	u	oo	e	ai	o	au	ang	ah	ri	rí	lri	lrí

नोट-हिन्दी नियमानुसार ई के लिये ee और ऊ के लिये oo का ही लिखना शुद्ध होता है परन्तु प्रचलित रोमन लिखने में इ, ई के लिये i और उ और ऊ के लिये केवल u लिखते हैं जैसा कि आगे के पाठों में लिखा गया है।

व्यंजन।

नागरी के व्यंजन अक्षर अर्थात् ऊपर के अक्षरों को छोड़कर बाक़ी अक्षर अंगरेज़ी के जिन अक्षरों के मिलाने से बनते हैं वे नीचे लिखे जाते हैं इन को अच्छी तरह घोख लेना चाहिये।

क	ख	ग	घ	च	छ	ज	झ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध
ک	کھ	گ	گھ	چ	چھ	ج	جھ	ٹ	ٹھ	ڈ	ڈھ	ڑ	ت	تھ	د	دھ
k	kh	g	gh	ch	chh	j	jh	t	th	d	dh	r	t	th	d	dh

न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	ह	क्ष	त्र	ज्ञ
نہ	پہ	پھ	بہ	بھ	مہ	ی	ر	ل	و	ش	کھ	س	ح	کش	تر	گی
n	p	ph	b	bh	ma	y	r	l	v,w	sh	s,kh	s	h	ksh	tr	gy

नोट—रोमन में नागरी के अक्षर ट और त के लिये अंगरेज़ी के एकही अक्षर t से काम लिया जाता है और ट और थ के लिये th से और ड और द के लिये d और ढ और ध के लिये dh से ऊपर के खानों में देखकर समझ लेना चाहिये।

जैसे हिन्दी के दो शब्द टोटा और सोता हैं यह दोनों रोमन में एक
रह totá लिखे जाते हैं परन्तु जगह २ उनका अलग २ अर्थ समझ लिय
ता है इन के थोड़े उदाहरण नीचे लिखे जाते हैं।

सोता–sotá, ठग–thag, दल–dal,
सोटा–sotá, थल–thal, डर–dar, धार–dhár
मोटा–motá, मठ–math, ढाक–dhak, ढार–dhár,
जोता–jotá, पठ, पथ–path, धान–dhan,

ता से पानी बहता है।	Sotá se pani bahatá hai.
टा मोटा होता है।	Sotá motá hotá hai
ता रस्सी से बनता है।	Jotá rassi se bantá hai.
ग मत बन।	Thag mat ban.
ल पर रह।	Thal par rah.
स पथ से मठ में जा।	Is path se math men ja,
ब की सब दल डर गई।	Sab ki sab dal dar gai.
ान को ढकने से ढाक दो।	Dhán ko dhakne se dhák do.
दी में धार बहता है।	Nadi men dhár bahtá hai,
र्तन से घी ढार लो।	Bartan se ghi dhár lo.

नीचे लिखने के अक्षर जोड़ने के उदाहरण को पढ़ो और अक्षर जोड़ना
खो:—

*Somanath Mishr, Babu Triveni Prasad
Raya, Rameswar Narayan Lal, Rama Pratap
Narayan, Babu Jagat Prasad, Tara Prasad,
Bhattacharya, Babu Tarak Nath Sanyal, Rama
Chandra Pandit Shiva Baran Chaube, Prasotim
Tivari Narbdeshwa - Pande, Sital Shukul.*

रोमन लिखने में कहां बड़े अक्षर और कहां छोटे अक्षर लिखे जाते हैं
अच्छी तरह समझ लेना चाहिये। सिवाय नीचे लिखे स्थानों के और सब
हों में छोटेही अक्षर लिखे जाते हैं। नीचे लिखे सब शब्दों का पहला अक्षर
ंग्रेज़ी के बड़े अक्षर से लिखा जाता है।

(१) प्रत्येक जुमला का पहला शब्द (२) कोई दोहा, चौपाई, छन्द
. का पहिला शब्द (३) ईश्वर के नाम (४) व्यक्ति वाचक संज्ञा
ो, मुल्क, शहर, गांव, समुन्द्र, नदी, द्वीप, पहाड़ इत्यादि के नाम
ं दिनों के नाम (६) तिहवारों का नाम (७) पुस्तक इत्यादि

इनके उदाहरण नीचे लिखे हैं।

(१) संसार असार है। — Sansár asár hai.
विद्याही सब धनों का मूल है। — Bidyá hee sab dhano ká mool hai.
सबको ईश्वर की भक्ति करनी चाहिये। — Sab ko Ishwar kee bhaktee karni chahie.

(२) चार मास अप्रैल सितम्बर, जून नवम्बर तीस।
अट्ठाइस दिन की फिरवरी, शेष मास इकतीस॥

Chármàs April september, June November tees;
Atthais din kee February, shes màs iktees

(३) ईश्वर, परमात्मा, जगदीश्वर। Ishwar, Parmàtmà, Jagdishwar

(४) हनूमान, हिन्दुस्तान, बनारस, रामनगर, अटलांटिक महासागर, गंगा नदी, लंका द्वीप, हिमालय पर्वत, सांभर झील।

Hanoomàn, Hindustàn, Banaras, Ràmnagar, Atlantik Mahasàgar, Ganganadi, Lankà dweep, Himalya parbat, Sànbhar jheel.

(५) महीनों के नाम—जेनुअरी, फेब्रुअरी, मार्च, एप्रिल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सेपटेम्बर, अक्टोबर, नवेम्बर, दिसम्बर।

दिनों के नाम—सनडे, मनडे, ट्यूज़डे, वेड्नसडे, थर्सडे, फ्राइडे, सटरडे।
(अंगरेज़ी महीनों दिनों के नाम अंगरेज़ी क़ायदे से लिखा है रोमन में नहीं)

January, February, March, April, May, June, July August, September, October, November, December.

Sunday, Monday, Tuesday, Wednesday, Thursday Friday, Saturday.

(६) संक्रान्ति, अनन्त—Sankranti, Anant.

(७) रामायण, महाभारत, भागवत, पद्मपुराण।
Ràmayan, Mahabharat, Bhagwat, Padmpuran.

मच्छड़ चक्कर मार कर उड़ते हैं।	Machchhaṛ chakkar már kar urte hain
इस कुप्पे में क्या है।	Is kuppe men kyá hai.
डिब्बा भारी था।	Dibbá bhári thá.
पागल कुत्ता भयानक होता है।	Págal kuttá bhayának hotá hai.
मक्खी भिन भिनाती है।	Makkhi bhinbhinati hai.
वृद्ध ब्राह्मण है।	Bridh Bráhmaṇ hai.
सदा शुद्ध मन रक्खो।	Sadá shudh man rakkho.
यह स्तम्भ लम्बा है।	Yah stambh lamlá hai.
ईश्वर को हमेशा अगम्य जानो।	Ishwar ko hameshá agamya jáno.
बेहद्द ख़र्चे से बचो।	Behadda kharche se bacho.

(निमंत्रणपत्र)

नीचे लिखे रोमन को पढ़ो और लिखो इस का हिन्दी आगे लिखा है उससे सही कर लो। और अपने ग़लतियों को समझ लो।

(*a*) Mányabar maháshaya,

Sarb Shaktiman jagdishwar ki param kripanugrah se mere sahodar bhrata shri chiranjiv Shiva Pratap Narayan ji ka shubh bibah Chaubebel gram nivasi munshi Bodha Krishna Lal sahib sadar qanoongo (Banaras) ki bhagyavati kanya se miti Shravan krishn Amavashya Shanibar mutabiq tarikh 25 June san 1900 isvi ko niyat hua hai. Ataeva ap mahashyon se sabinaya nivedan hai ki apne shubhagman se barat ko sushobhit karen.

Kripabhilashi--- Shiva Shankar Narayan,
Shambhu Narayan ka Chhapra.

18th June 1900.

BALLIA

इस को रोमन में लिखो और ऊपर लिखे रोमन से सही करलो।

मान्यवर महाशय,

सर्व शक्तिमान जगदीश्वर की परम कृपानुग्रह से मेरे सहोदर भ्राता श्री जीव शिवप्रताप नारायण जी का शुभ विवाह चौवेछेल ग्राम निवासी मुन्शी कृष्णलाल साहिब सदर क़ानूनगो (बनारस) की भाग्यवती कन्या से मिती या कृष्ण अमावस्या शनिवार मुताबिक़ तारीख़ २५ जून सन् १९०० ईस्वी नियत हुआ है। अतएव आप महाशयों से सविनय निवेदन है कि अपने गमन से बरात को सुशोभित करें।

ता० १८ जून १९००।

कृपा भिलाषी
शिवशंकर नारायन
धुरहूनारायन का छपरा,
बलिया।

रोमन लिखने में जब पूरी इबारत समाप्त होजाय तो उस्के अन्त में(·) चिन्ह जो एक शून्य के आकार का है जिस्को अंगरेज़ी में फुल्सटाप ull-stop) अर्थात् पूरा ठहराव कहते हैं लिखना चाहिये ; और यदि इबा- में कई सुखे हों तो प्रत्येक जुम्लों के अन्त में (;) चिन्ह देना चाहिये; और र कई नामों को जो एक जगह पर लिखे हों पृथक २ करना चाहें या और सी प्रकार के शब्दों को जुदा करने में (,) चिन्ह देते हैं। नीचे की रत में पढ़कर देखो :—

Ek Rájdhání men chand ghoron ke beopárí áe. Kuchh ioron kí bikrí hui; Rájá ne ek lákh rupyá chupke se unko yá, aur kahá ki dusre sál mere liye atyottam ghora láná. We rupyá le uranchhoo hue. Kuchh din ke bád ek din Rájá pra- nnachitt ho mantrí se kahá ki ai mantrí! ek suchee (fihrist) ere ráj bhar ke murkhon kí taiyár karo. Mantrí ne uttar yá ki taiyar hai, aur pahlí nám usmen prithwínáth hí ká hai: ájá ne puchhá kyon? Mantrí ne kahá is se adhik murkh aur un ho saktá hai ki biná parichaya athwá biná pratibhoo Zamánat) ke ek lákh rupyá bideshi beopári ko de deve, Rájá ne á agar we beopárí ghorá athwá rupyá lá dewen tab kyá ge. Mantrí ne kahá, ápká nám utár (kát) kar unkí jagah

इस उर्दू का रोमन नीचे लिखा है :-

(a) بحضور جناب ہیڈ ماسٹر صاحب بنگالی ٹولہ اسکول

غریب پرور سلامت

گذارش حال یہ ہے کہ کل سے تابعدار کی طبیعت علیل ہے-یعنی
آنکھیں ابل آئی ہیں-ڈاکٹر صاحب کی خدمت میں آج بغرض معالجہ حاضر
ہوا تھا اونہوں نے دوا لگا دی ہے-اور اسکول جانیکی سخت ممانعت فرمائی
ہے-بدیں وجہ حاضری سے معذور ہے-لہذا عرضی ہذا گذرانکر امیدوار ہوں کہ تابعدار
کی غیرحاضری تا صحت معاف فرمائی جاوے-الہی آفتاب اقبال ہمیشہ تابان رہے

عرضی فدوی محمد امین طلبہ دفعہ پنجم بنگالی ٹولہ اسکول بنارس

इस रोमन को पढ़ो लिखो और ऊपर के उर्दू इबारत से सही करलो ।

(b) Bahazoor janáb Head Máster Sáheb Bangálee tolá School Banáras.

Gareeb parvar Salámat. Guzárish hál yah hai ki kal se tábedár kí tabiat aleel hai yáne ánkhen ubal áeen hain. Dáktar Sáheb kí khidmat men bagarz muálijá hazir huá [illegible] íne kí sakht [illegible] mázoor hai. [illegible] ki tábedár kí gairháziri tásehat muáf, farmáí jáwe. Ilahí áftáb-i-iqbál hameshá tábán rahe.

Arzi fidwí Mohammad Ameen tulbá dafá panjum.
Bangálítolá School Banaras.

पत्रों के नमूने ।

नीचे लिखी इबारत को रोमन में लिखो :-

(a) सिद्धि श्री काशी शुभस्थाने विद्यालंकृत गुणसागर महा मान्यवर श्री ६ श्रीमान पिता तुल्य बड़े काका जी महाराज को रमापति का अनेक साष्टांग प्रणाम । आगे यहां सब प्रकार से कुशल है श्रीमान का कुशल क्षेम सदा चाहता हूं । प्रिय रमापति का शुभ विवाह मि० चैत कृष्ण ४ बुधवार को आप की कृपानुग्रह से कुशल पूर्वक समाप्त होगया । इस समय देह के कार्य्यवश दो चार दिवस विलम्ब होगया है सप्ताह उपरान्त अवश्य सेवा में उपस्थित हो जाऊंगा ।

मि० चैत कृष्ण १० { आप का चरण सेवक
रमापति-फतेहपुर ।

इस रोमन को ऊपर के हिन्दी में शुद्ध कर पढ़ो और लिखो।

(b) Sidhi Shri Kashi shubhasthane bidyalankrit gun-agar mahamanyabar Shri 6 Shri man pita tulya kaka ji maharaj ko Rama pati ka anek sastang pranam. Age yahan sab prakar se kushal hai shri man ka kushal kshem sada chahta hun. Priya Kshama Pati ka shubh tilak miti Chaitra krishn 4 Budhbar ko ap ki kripanugrah se kushal purbak samapt ho gaya. Is samaya grih ke karya bash do char diwas bilamb ho gaya hai, saptah uparant awashya sewa men upasthit ho jaunga.

Miti Chaitra krishn 10.

Apka charansewak,
Rama Pati,
Patikapur.

इस रोमन को पढ़ो और लिखो।

(a) Swasti-Shri Patihápur shubhasthán Chiranjiva Shri Ramápati yogya likhi Káshi se Kuberpati Shástri ká anek áshirbád bánchná. Áge yahán par sab prakár se kushal hai, tumhári kushal kshem sadá Bishwanáth ji se cháhte hain. Tumhárá 10 Chaitra ká patra páyá sab samáchár jáná chitt p· hvá. Tumko cháhiye ki shighraht grih kárya se nipat · Kshamápati ko apne sáth le chale áo; yahán sab ká hai. Kimdhikam—Tumhárá shubhekánkshi,

Pandit Kuber Pati Shástree. Káshee.

इसको रोमन लिखो और ऊपर के रोमन से सही कर लो।

(b) स्वस्ति श्री पत्रिकापुर शुभस्थान चिरंजीव श्रीरमापति योग्य लिखी काशी से कुबेरपतिशास्त्री का अनेक आशिर्वाद बांचना। आगे यहां पर सब प्रकार से कुशल है तुम्हारी कुशल क्षेम सदा विश्वनाथजी से चाहते हैं तुम्हारा १० चैत्र का पत्र आया सब समाचार जाना चित्त प्रसन्न हुआ। तुम को चाहिये कि शीघ्र ही इस कार्य्य से निपट कर प्रिय रमापति को अपने साथ ले चले आओ। यहां सबका जी लगा हुआ है। किमधिकम्।

तुम्हारा शुभकांक्षी-पं० कुबेरपति शास्त्री-काशी।

अर्ज़ी के नमूने।

इस को रोमन में लिख कर नीचे लिखे रोमन से सही करलो।

(a) श्रीयुत हेडमास्टर साहिब,

सेन्ट्रल हिन्दू कालेज,

बनारस।

मान्यवर,

आज मेरे सिर में पीड़ा के कारण ज्वर होगया है पाठशाला उपस्थित होना असम्भव ज्ञात होता है। अतएव सविनय निवेदन है कि मेरी आज की पाठशाले से अनुपस्थिती क्षमा की जावे।

२०-४-०४ { प्रार्थी, लालजी पांडे कक्षा ९।

(इस रोमन को ऊपर के हिन्दी से शुद्ध कर पढ़ो)

(b) *Shri yut Head Máster Sáhib Central Hindu College Benares. Mányabar, áj mere sir men pírá ke kárar jwar ho gayá hai páṭhsháṭá upasthit honá asambhav gyát hotá hai. Ataeva sabinaya nivedan hai ki meri áj ki páṭhsháṭe se anupasthitee kshamu ki jáwe.*

Prárthee—Lálji Pánde Kakshá.9

इस इबारत को नीचे लिखे रोमन से शुद्ध कर लिखो।

(a) श्रीयुत प्रिन्सपल साहिब

रणवीर संस्कृत पाठशाला—बनारस।

महाशय,

आज मेरे पिता का एक पत्र मेरे बुलाहट का आया है। जिसके अनुसार मेरा घर पर उपस्थित होना अत्यावश्यकीय है इसलिये सविनय निवेदन है कि सेवक को एक सप्ताह की छुट्टी स्वीकार की जावे।

२८-३-०४, { निवेदक भगुनदत्त प्रवेशिका श्रेणी।

इस रोमन के ऊपर के हिन्दी से सही कर पढ़ो।

(b) *Shree yut Prinsipal Sáhib,*

Rapbir Sanskrit Páṭhshálá Banár

Mahá.haya,

Áj mere pitá ká ek patra mere buldhat ká dyá hai. Ji anusár merá grih par upasthit honá atyáwashyakiya hai. Is sabinaya nivedan hai ki sevak ki ek saptáh. ki chhuttee sweek ki jawe.

28-3-04. { *Nivedak Bhugun Datta, Praweshiká Shreṇi.*

अंगरेज़ी गिनती।

एक	1 one	वन	फ़र्स्ट	पहला
दो	2 two	टू	सेकण्ड	दूसरा
तीन	3 three	थ्री	थर्ड	तीसरा
चार	4 four	फ़ोर	फ़ोर्थ	चौथा
पांच	5 five	फ़ाइव	फ़िफ़्थ	पांचवां
छः	6 six	सिक्स	सिक्सथ	छठवां
सात	7 seven	सेविन	सेविन्थ	सातवां
आठ	8 Eight	एट	एट्थ	आठवां
नौ	9 Nine	नाइन	नाइन्थ	नवां
दस	10 Ten	टेन	टेन्थ	दसवां
ग्यारह	11 Eleven	इलेविन	इलेविन्थ	ग्यारहवां
बारह	12 Twelve	ट्वेल्व	ट्वेल्फ़थ	बारहवां
तेरह	13 Thirteen	थरटीन	थरटीन्थ	तेरहवां
चौदह	14 Fourteen	फ़ोरटीन	फ़ोरटीन्थ	चौदहवां
पन्द्रह	15 Fifteen	फ़िफ़टीन	फ़िफ़टीन्थ	पन्द्रहवां
सोलह	16 Sixteen	सिक्सटीन	सिक्सटीन्थ	सोलहवां
सत्तरह	17 Seventeen	सेविनटीन	सेविनटीन्थ	सत्तरहवां
अट्ठारह	18 Eighteen	एटीन	एटीन्थ	अठारहवां
उन्नीस	19 Nineteen	नाइनटीन	नाइनटीन्थ	उन्नीसवां
बीस	20 Twenty	ट्वेन्टी	ट्वेन्टीयथ	बीसवां
इक्कीस	21 Twentyone	ट्वेन्टी-वन	ट्वेनटी फ़र्स्ट	इक्कीसवां
बाइस	22 Twentytwo	ट्वेन्टी-टू	ट्वेन्टी-सेकण्ड	बाइसवां
[illegible]	23 Twenty-three	ट्वेन्टी-थ्री	ट्वेन्टी-थर्ड	तेईसवां

तीस	30 Thirty	थर्टी	थर्टीएथ
इकतीस	31 Thirty one	थर्टी-वन	थर्टीफ़र्स्ट
चालीस	40 Forty	फ़ोर्टी	फ़ोर्टीएथ
पचास	50 Fifty	फ़िफ़्टी	फ़िफ़्टीएथ
साठ	60 Sixty	सिक्सटी	सिक्सटीएथ
सत्तर	70 Seventy	सेविनटी	सेविनटीएथ
अस्सी	80 Eighty	एटी	एटीएथ
नव्वे	90 Ninety	नाइनटी	नाइनटीएथ
सौ	100 Hundred	हंड्रेड	हंड्रेड्थ
एक सौ एक	101 Hundred&one	हंड्रेड ऐंड वन	हंड्रेड-फ़र्स्ट
हज़ार	1000 Thousand	थाउज़ेंड	थाउज़ेंड्थ
दस हज़ार	10,000 Ten thousand	टेन थाउज़ेंड	टेन-थाउज़ेंड्थ

अंगरेज़ी गिनती याद करने में १२ तक अच्छी तरह कंठ करलेना चाहिये। फिर तीन चार इत्यादि नव तक की जो गिनती हैं उनके आगे टीन शब्द लगाकर १३ से १९ तक की गिनती याद करनी चाहिये फिर २०, ३०, ४०, इत्यादि ९० तक की गिनती केवल टी लगा कर बनता है उनके आगे वन, टु, इत्यादि नाइन तक अंक लगाकर और सब गिनती आसानी से गिन सक्ते हैं। १३, १४, इत्यादि १९ तक की गिनती में टीन और २०, ३०, ४०, इत्यादि ९० तक की गिनती में केवल टी शब्द का भेद अच्छी तरह याद कर लेना चाहिये ताकि फ़ोरटीन की जगह फ़ोर्टी न कहें जिन में बहुत भेद है। इसको ऊपर की गिनती में खूब समझ लो।

अभ्यास के लिये प्रश्न

इन प्रश्नों के उत्तर इस पुस्तक से निकालकर कंठ कर लेना चाहिये

(१) और २ विद्याओं के विपरीत अंगरेज़ी विद्या के अक्षरों में क्या भेद है?

(२) अंगरेज़ी में कितने और कौन २ स्वर यानी वाविल हैं?

(३) हिन्दी क्रमानुसार इ, ई और उ, ऊ के लिये रोमन में अंगरेज़ी के कौन कौन अक्षर लिखना शुद्ध है और प्रचलित रोमन में उनके लिये कौन २ अक्षर लिखते हैं।

(४) अंगरेज़ी में व्यंजन अर्थात् कान्सोनेंट (Consonant) कितने और कौन २ हैं नागरी के व्यंजन अक्षर उनसे कैसे बनते हैं उदाहरण सहित बतलाओ।

(५) अंगरेज़ी रोमन में कौन २ अक्षर हैं जो नागरी के दो २ अक्षरों के काम देते हैं और किन २ अक्षरों का। और उनका भेद जुदा २ किस प्रकार जान सकते हैं उदाहरण देकर समझाओ।

(६) रोमन लिखने में अंगरेज़ी के बड़े अक्षर कहां २ लिखे जाते हैं।

(७) अंगरेज़ी महीनों और दिनों के नाम बतलाओ।

(८) जैसे हिन्दी के दो तीन अक्षरों के आपस में मिलने से उनके आकार में भेद हो जाता है वैसे अंगरेज़ी में होता है या नहीं उदाहरण से अपना उत्तर ठीक करो।

(९) अंगरेज़ी गिनती आसानी से कैसे सीख सक्ते हैं ?

(१०) फ़िफ्टीन और फिफ्टी में क्या भेद और अन्तर है समझा कर कहो।

नोट-यह पुस्तक रणवीर संस्कृत पाठशाला के विद्यार्थियों को प्रिन्सपल साहब के हस्ताक्षर लाने पर आधेही मूल्य पर दी जायगी।

पं० साधुसरन पांडे शर्मा।

पुस्तक मिलने के पता ये हैं :—

१ पं० लालजी पाण्डे शर्मा,
C/o पं० कुबेरपति शास्त्री,
महल्ला-लकसा,
बनारस सिटी।

अथवा

२ पं० शिवबालक पण्डित शर्मा,
C/o मुं० शिवशंकर नारायणलाल,
घुरहू नारायण का छपरा,
बलिया (पश्चिमोत्तर)

2८८.9

सूचना ।

इस पुस्तक की रजिस्टरी कराई गई है कोई महाशय इस का आशय लेकर पुस्तक छपवाने में शिग्ना न उठावें ।
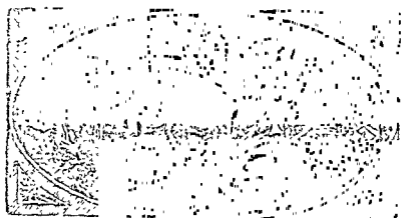
ग्रन्थकार के हस्ताक्षर विना पुस्तक चोरी का माल समझकर कोई महाशय न ख़रीदें ।

पं० साधुसरन पांडे शर्मा ।